

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान कोचिंग सेन्टर (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, 2025
2.	राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025
3.	राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट - 2025
4.	अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सेमिनार - खेजड़ली
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. "अभ्युदय की ओर" पुस्तक 2. सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल 3. राज्य स्तरीय रंगीला रत्न अवार्ड - 2025 4. ऑन-डिमांड परीक्षा प्रणाली शुरू करने वाला पहला राज्य - राजस्थान 5. प्रदेश का पहला 'कंगारू मदर केयर लाउंज'
6.	राजगीर में रॉयल भूटान मंदिर
7.	विक्रम 32 बिट माइक्रोप्रोसेसर और सेमीकॉन इंडिया 2025
8.	जीएसटी परिषद: दो-दर कर स्लैब को मंजूरी
9.	विश्व नारियल दिवस 2025
10.	राष्ट्रीय वन्य जीव दिवस, 2025
11.	फुजैरा ग्लोबल सुपरस्टार्स का खिताब : प्रणव वेंकटेश



राजस्थान कोचिंग सेन्टर (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, 2025

चर्चा में क्यों?

- 03 सितंबर, 2025 को विधानसभा में 'राजस्थान कोचिंग सेन्टर (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, 2025' ध्वनिमत से पारित हुआ।



मुख्य बिन्दु:

- इस विधेयक के अधिनियम बनने से नियमों की पालना करने वाले कोचिंग संस्थानों को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, कोई भी कोचिंग संस्थान बिना राजकीय पंजीकरण के संचालित नहीं हो सकेगा।
- विधेयक में कोचिंग संस्थानों के पंजीकरण के लिए विद्यार्थियों की संख्या न्यूनतम 50 से बढ़ाकर 100 की गई है ताकि छोटे व असंगठित कोचिंग सेंटर्स अपनी सुविधाएं विद्यार्थियों को उपलब्ध करा सकें।

Daily Current Affairs

Date : 04 September, 2025



- कोचिंग संस्थान द्वारा पहली बार अनियमितता करने पर जुर्माने को ₹2,00,000 से घटाकर ₹50,000 तथा द्वितीय बार अनियमितता करने पर ₹5,00,000 से घटाकर ₹2,00,000 किया गया है। इसके बाद भी उल्लंघन जारी रहने पर पंजीकरण रद्द करने का प्रावधान किया गया है।
- विधेयक में विद्यार्थियों में आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने के लिए और मानसिक तनाव को दूर करने के लिए प्रावधान किए गए हैं।
- विद्यार्थियों के तनाव रहित अध्ययन के लिए प्रत्येक कोचिंग संस्थान में मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता की नियुक्ति करने और तनाव प्रबंधन संबंधी सेशन आयोजित करने अनिवार्य होंगे।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

राजस्थान कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियमन प्राधिकरण:

- विधेयक में राज्य स्तर पर कोचिंग संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए कोचिंग प्राधिकरण की स्थापना का प्रावधान है।
- **अध्यक्ष** : उच्च शिक्षा विभाग के प्रभारी सचिव।
- **सदस्य** : स्कूल शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, मेडिकल एजुकेशन के सचिव, आईजी, कॉलेज शिक्षा आयुक्त, डीएलबी डायरेक्टर, साइकोलॉजिस्ट, वित्त विभाग से नॉमिनेट सचिव, कोचिंग सेंटर से 2 प्रतिनिधि, अभिभावक समिति से 2 सदस्य।
- **सदस्य सचिव** : उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव।
- जिलास्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति बनाई जाएगी।

--3--

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025

चर्चा में क्यों?

- 3 सितम्बर, 2025 को राजस्थान विधानसभा में 'राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025' ध्वनिमत से पारित किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- घोषणा :** राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (RUHS) का उन्नयन कर जयपुर में RIMS की स्थापना की जाएगी, जिसके संदर्भ में वर्ष 2024-25 के राज्य बजट में घोषणा की गई थी। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, जयपुर को भी RIMS में समाहित करना प्रस्तावित है।
- संस्थान का प्रकार:** RIMS एक स्वायत्त संस्थान और विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करेगा जहाँ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 के तहत डिग्री, डिप्लोमा और अन्य शैक्षणिक मान्यताएँ दी जा सकेंगी।
- सुविधाएँ :** RIMS में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, एंडोक्राइनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, सीटीवीएस एवं ट्रांसप्लांट यूनिट जैसी सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएँ होंगी।
- संरचना :** राज्य के मुख्य सचिव RIMS के अध्यक्ष होंगे तथा प्रतिनियुक्ति पर निदेशक नियुक्त किए जायेंगे। साथ ही, एक शासी निकाय का गठन किया जायेगा, जिसमें AIIMS नई दिल्ली, चंडीगढ़ के PGI और IIM जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञों को शामिल किया जायेगा।

Daily Current Affairs

Date : 04 September, 2025



- **बजट का प्रावधान :** RIMS एक स्वायत्त संस्थान के रूप में कार्य करेगा, जिसकी एक समर्पित निधि होगी। राज्य सरकार द्वारा RIMS के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए ₹100 करोड़ का व्यय किया जाना प्रस्तावित है। अन्य खर्चों के लिए प्रति वर्ष 5 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है, जिसे आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकेगा।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **हील इन राजस्थान पॉलिसी-2025 :** राजस्थान को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के साथ-साथ प्रमुख मेडिकल टूरिज्म हब बनाने के उद्देश्य से राजस्थान मंत्रिमण्डल द्वारा मेडिकल वैल्यू ट्रेवल पॉलिसी (हील इन राजस्थान पॉलिसी) 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। यह नीति राजस्थान को सुलभ, किफायती लागत और भरोसेमंद मेडिकल वैल्यू ट्रेवल (MVT) डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करेगी।
- **स्वास्थ्य सेवा का अधिकार अधिनियम, 2023 :** राजस्थान के सभी निवासियों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य पहुँच प्रदान करने के उद्देश्य से राजस्थान सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवा का अधिकार अधिनियम, 2023 पारित किया गया। इस अधिनियम से राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाएँ अधिक सुलभ, किफायती तथा उत्तरदायी स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो सकेगा।
- **आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउण्ट (ABHA) :** आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के एक भाग के रूप में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 14 अंकों की विशिष्ट संख्या युक्त ABHA ID की शुरुआत की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स के लिए एक केंद्रीकृत रिपोजिटरी बनाना है। राजस्थान ABHA ID बनाने में पूरे देश में दूसरे स्थान पर है।

--:5:--

राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट - 2025

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (RDTM) के पाँचवें संस्करण का आयोजन 'फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (FHTR)' और 'राजस्थान पर्यटन विभाग' के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 सितंबर, 2025 तक किया जाएगा।



--:6:--

Daily Current Affairs

Date : 04 September, 2025



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन स्थल** : B.M. बिड़ला कन्वेन्शन सेंटर, जयपुर।
- **सहयोग** : हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं के सहयोग से।
- वर्ष 2023-24 के आँकड़ों के अनुसार, राजस्थान घरेलू और विदेशी पर्यटकों की पसंद में पाँचवें स्थान पर है, जहाँ दोनों श्रेणियों में राज्य का हिस्सा 7 से 8 प्रतिशत है।
- **राजस्थान पर्यटन विभाग के प्रमुख शासन सचिव** : राजेश यादव।
- **राजस्थान पर्यटन विभाग की आयुक्त** : रूक्मणि रियार।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 1955 में राज्य पर्यटन निदेशालय तथा वर्ष 1978 में राजस्थान टूरिज्म डवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RTDC) की स्थापना की गई।

राजस्थान पर्यटन इकाई नीति (RTUP) - 2024

- **लॉन्च** : 4 दिसम्बर, 2024
- **उद्देश्य** : राजस्थान पर्यटन से जुड़े निवेशकों एवं उद्यमियों को देय लाभों में वृद्धि करने तथा निजी क्षेत्र में नई पर्यटन इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित कर इसके माध्यम से रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना।
- यह नीति हेरिटेज होटलों और संपत्तियों के लिए छूट प्रदान करने, निजी क्षेत्रों में उपलब्ध विरासत संपत्तियों का लाभ उठाने पर मुख्य रूप से जोर देती है। इसके अतिरिक्त, पर्यटन नीति में होटल, रेस्तरां और अन्य पर्यटन-संबंधित प्रतिष्ठानों को संचालित करने के लिए लाइसेंस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है।

--7--

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सेमिनार - खेजड़ली

चर्चा में क्यों?

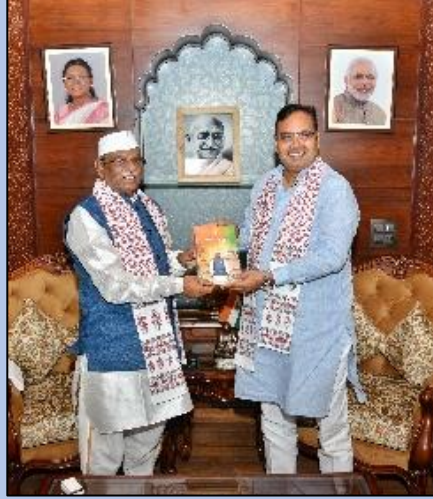
- हाल ही में, जोधपुर के खेजड़ली में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सेमिनार का आयोजन किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- आयोजक संस्थाएँ : जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ, विद्या भारती उच्च शिक्षण संस्थान एवं खेजड़ली शहीदी राष्ट्रीय पर्यावरण संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से।
- सेमिनार में तीन पुरस्कार प्रदान किए गए:
- गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार : प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर के निदेशक)
- अमृता देवी वृक्ष मित्र पुरस्कार : राधेश्याम पैमाणी (मरणोपरांत)
- प्रोफेसर जेताराम बिश्रोई स्मृति पुरस्कार : पीराराम धायल।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) जोधपुर ने पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य करते हुए वर्षा जल संचयन के लिए अमृत कुंड स्थापित किए हैं, परिसर में 300 से अधिक हिरणों और समृद्ध रेगिस्तानी वनस्पतियों के साथ 852 एकड़ जैव विविधता को संरक्षित किया गया है।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>"अभ्युदय की ओर" पुस्तक</p>  <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे को उनके राजस्थान के राज्यपाल के रूप में एक वर्ष के कार्यकाल के आलोक में प्रकाशित पुस्तक "अभ्युदय की ओर" की प्रति भेंट की।
2.	<p>सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल</p> <ul style="list-style-type: none">सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से चलाए जा रहे सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान को 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में शामिल किया गया।इस अभियान के अंतर्गत अब तक विभिन्न सरकारी एवं निजी स्कूलों तथा कॉलेजों के लगभग 2 लाख 51 हजार से अधिक युवाओं को सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अनुसार यह अभियान 'सबसे बड़ा युवा नेतृत्वित सड़क सुरक्षा अभियान' है।सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए इस अभियान का आयोजन 9 अगस्त से 15 सितंबर, 2025 तक किया जा रहा है।

--:9:--

3.

राज्य स्तरीय रंगीला रत्न अवार्ड - 2025

- हाल ही में, रंगीला फाउंडेशन की ओर से बीकानेर की साइक्लिस्ट बसंती कुमावत को राज्य स्तरीय रंगीला रत्न अवार्ड प्रदान किए जाने की घोषणा की गई।
- बसंती ने एशियन साइक्लिंग प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए भारत को कांस्य पदक दिलाया।

4.

ऑन-डिमांड परीक्षा प्रणाली शुरू करने वाला पहला राज्य - राजस्थान

- राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल ने ऑन-डिमांड परीक्षा शुरू करने की योजना बनाई है, इसके तहत वे विद्यार्थी, जो बोर्ड या पूरक परीक्षा में असफल हो जाते हैं, उसी वर्ष उत्तीर्ण होने का अवसर पा सकेंगे।
- राजस्थान इस प्रकार की व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा। 5 सितंबर (शिक्षक दिवस) पर इसकी औपचारिक शुरुआत होगी।

5.

प्रदेश का पहला 'कंगारू मदर केयर लाउंज'

- उदयपुर के खेरवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में राजस्थान का पहला कंगारू मदर केयर (KMC) लाउंज स्थापित किया गया है।
- यह यूनिट मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने वाली एक अभिनव पहल है।
- कंगारू मदर केयर यूनिट जीरो सेपरेशन पॉलिसी पर आधारित है। इसके तहत मां और शिशु को अलग न रखकर निरंतर साथ रखने की व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रीय परिदृश्य

राजगीर में रॉयल भूटान मंदिर

चर्चा में क्यों?

- भूटान के प्रधानमंत्री और मुख्य मठाधीश की आधिकारिक यात्रा के दौरान, इस मंदिर का उद्घाटन किया गया। नया मंदिर भारत और भूटान के बीच साझा बौद्ध विरासत का प्रतीक है।



मुख्य बिन्दु:

प्रमुख घटनाएँ और विवरण

- प्रतिष्ठापन समारोह:** मंदिर का उद्घाटन 4 सितंबर, 2025 को हुआ, जिसमें भूटान के प्रधानमंत्री शेरींग तोबगे और मुख्य मठाधीश जे खेंपो टुलकु जिग्मे चोएड्रा ने भाग लिया।
- महत्व:** मंदिर का निर्माण भारत और भूटान के बीच राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया गया।

Daily Current Affairs

Date : 04 September, 2025



- **स्थान और निर्माण:** मंदिर का निर्माण बिहार सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि पर किया गया था।
क्षेत्र के अन्य बौद्ध स्थल
- **विश्व शांति स्तूप (विश्व शांति पैगोडा):** रत्नागिरी पहाड़ी पर स्थित एक स्तूप जिसमें बुद्ध की चार स्वर्ण प्रतिमाएं हैं।
- **वेणुवन मठ:** राजा बिम्बिसार द्वारा निर्मित यह वह स्थान है जहां बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद प्रवास किया था ।
- **सप्तपर्णी गुफा:** प्रथम बौद्ध परिषद का स्थल।
- **गुल्लकूट (गिद्ध शिखर):** बुद्ध के प्रवचनों के लिए एक पसंदीदा स्थान।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

-:12:-

विज्ञान प्रौद्योगिकी

विक्रम 32 बिट माइक्रोप्रोसेसर और सेमीकॉन इंडिया 2025

चर्चा में क्यों?

- सेमीकॉन इंडिया 2025 में भारत के प्रधानमंत्री को भारत में निर्मित विक्रम 32 बिट लॉन्च व्हीकल ग्रेड माइक्रोप्रोसेसर भेंट किया गया।

मुख्य बिन्दु:

विक्रम 3201 का विवरण

विकास:

- इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) और सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (SCL), चंडीगढ़ ने इसे KALPANA 3201 के साथ विकसित किया।
- यह 16 बिट VIKRAM1601 का उन्नत संस्करण है, जो 2009 से इसरो के प्रक्षेपण वाहन एवियोनिक्स में प्रयोग हो रहा है।

तकनीकी विशेषताएँ:

- तापमान सहनशीलता: -55°C से 125°C तक।
- अंतरिक्ष परीक्षण: प्रारंभिक परीक्षण SpaDeX मिशन (PSLV C60) में सफल।
- इंस्ट्रक्शन सेट: कस्टम आर्किटेक्चर, विशेष रूप से Ada प्रोग्रामिंग भाषा के लिए।
- सक्षमता: फ्लोटिंग पॉइंट गणना और जटिल प्रक्रियाओं को संभालने में सक्षम।



- **उद्देश्य:** लॉन्च व्हीकल्स के नेविगेशन, गाइडेंस और नियंत्रण प्रणालियों में भारत की आत्मनिर्भरता को सक्षम बनाना।

अर्द्धचालक (SEMICONDUCTORS)

अर्द्धचालक/सेमीकंडक्टर ऐसे पदार्थ हैं जिनकी प्रतिरोधकता या चालकता धातुओं तथा विद्युतरोधी पदार्थों के बीच की होती है

उदाहरण

- तत्व: सिलिकॉन और जर्मेनियम
- यौगिक: गैलियम आर्सेनाइड और कैडमियम सेलेनाइड

महत्व

- अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों के लिये आवश्यक - एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल, संचार, स्वच्छ ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और चिकित्सा उपकरण आदि।

सेमीकंडक्टर और भारत

- प्रमुख निर्यातक देश: चीन, ताइवान, अमेरिका और जापान
- भारत का सेमीकंडक्टर बाजार: वर्ष 2026 तक 55 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है

योजनाएँ

- ▾ उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना
- ▾ डिज़ाइन संबद्ध प्रोत्साहन (DLI) योजना
- ▾ इलेक्ट्रॉनिक घटकों और अर्द्धचालकों के विनिर्माण हेतु प्रोत्साहन योजना (SPECS)

उद्देश्य

- ▾ देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण को प्रोत्साहित करना।
- ▾ सेमीकंडक्टर डिज़ाइन में >20 घरेलू कंपनियों का पोषण आगामी 5 वर्षों में > 1500 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल करना
- ▾ इलेक्ट्रॉनिक घटकों और अर्द्धचालकों का निर्माण

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM)

उद्देश्य

- अर्द्धचालक, डिस्प्ले विनिर्माण और डिज़ाइन इकोसिस्टम में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना

आरंभ

- 2021

नोडल मंत्रालय

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

कुल वित्तीय परिव्यय

- 76,000 करोड़ रुपए

घटक

- भारत में सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करने के लिये योजना
- भारत में डिस्प्ले फैब स्थापित करने के लिये योजना
- भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर फैब और सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग एवं पैकेजिंग (ATMP)/OSAT सुविधाओं की स्थापना के लिये योजना
- DLI योजना

सेमीकॉन इंडिया 2025

- **थीम:** Building the Next Semiconductor Powerhouse - अगले सेमीकंडक्टर पावरहाउस का निर्माण।

उद्देश्य और महत्व:

- भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के माध्यम से चिप डिज़ाइन, पैकेजिंग और निर्माण में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करना।
- वैश्विक सहयोग और अनुसंधान व्यावसायीकरण को बढ़ावा।
- वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में भारत की स्थिति मजबूत करना।

सेमीकॉन इंडिया के अब तक तीन संस्करण आयोजित हो चुके हैं:

- 2022 - बैंगलोर
- 2023 - गांधीनगर
- 2024 - ग्रेटर नोएडा
- 2025 संस्करण वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की नई भूमिका प्रदर्शित करेगा।

भारत में प्रमुख 5 अर्धचालक इकाइयाँ

1. माइक्रोन टेक्नोलॉजी (गुजरात)
 - स्थान: साणंद, गुजरात
2. टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पावरचिप सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग कॉर्प (गुजरात)
 - स्थान: धोलेरा, गुजरात
3. टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (असम)
 - स्थान: मोरीगांव, असम
4. CG पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस, रेनेसास और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स (गुजरात)
 - स्थान: साणंद, गुजरात
5. एचसीएल फॉक्सकॉन (उत्तर प्रदेश)
 - स्थान: जेवर हवाई अड्डे के पास, उत्तर प्रदेश

आर्थिक परिदृश्य

जीएसटी परिषद: दो-दर कर स्लैब को मंजूरी

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार ने वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) परिषद के माध्यम से दो-दर कर स्लैब को मंजूरी दी है, जो 22 सितंबर 2025 से प्रभावी होंगे। इस योजना के अंतर्गत, 5% और 18% के कर स्लैब को बनाए रखा गया है, जबकि कुछ विशेष वस्तुओं पर 40% की दर तय की गई है।



मुख्य बिन्दु:

विशेष दर:

- 40% दर:** तंबाकू उत्पाद, वातित जल, कैफीनयुक्त पेय, बड़े वाहन, हेलीकॉप्टर, नौकाएं आदि पर यह दर लागू होगी।

उद्देश्य:

- यह कदम जीएसटी के अनुपालन को सरल बनाने, लागत में कमी लाने और घरेलू खपत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

जीएसटी परिषद क्या है?

संवैधानिक निकाय:

- जीएसटी परिषद को 101वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत अनुच्छेद 279A के द्वारा 2016 में संविधान में जोड़ा गया, और यह 2017 में लागू हुआ।

संविधान के अनुसार गठन:

- अनुच्छेद 279A(1) के अनुसार, जीएसटी परिषद का गठन संविधान के लागू होने के 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति द्वारा किया गया।

सदस्य:

- **अध्यक्ष** - केंद्रीय वित्त मंत्री
- **सदस्य** - केंद्रीय राज्य मंत्री, राजस्व या वित्त के प्रभारी
- **अन्य सदस्य** - प्रत्येक राज्य सरकार द्वारा नामित मंत्री या वित्त/कराधान के प्रभारी मंत्री

निर्णय प्रक्रिया:

- जीएसटी परिषद सर्वसम्मति आधारित दृष्टिकोण से निर्णय लेती है। परिषद समय-समय पर बैठक करती है, खासकर जीएसटी से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने और निर्णय लेने के लिए।

कोरम:

- संविधान में कहा गया है कि परिषद के कुल सदस्य संख्या का एक तिहाई कोरम का गठन करेगा।

मतदान संरचना:

- जीएसटी परिषद का निर्णय उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के भारित मतों के कम से कम तीन-चौथाई बहुमत से लिया जाएगा:
- केंद्र को डाले गए कुल मतों का एक तिहाई
- राज्यों को डाले गए कुल मतों का दो-तिहाई
- यह प्रणाली समावेशी और सहकारी संघवाद की भावना को बढ़ावा देती है।

सिफारिशें:

- जीएसटी परिषद की सिफारिशें राज्य विधायिका पर बाध्यकारी नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2022 के मोहित मिनरल्स मामले में कहा था कि केंद्र और राज्य दोनों जीएसटी पर कानून बना सकते हैं, और परिषद की सिफारिशें केवल "संघ और राज्यों के बीच सहयोगात्मक बातचीत" का परिणाम हैं।

महत्त्वपूर्ण दिवस

विश्व नारियल दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

- प्रतिवर्ष 2 सितम्बर को एशियन पैसिफिक कोकोनट कम्युनिटी (APCC) की स्थापना के स्मरण में विश्व नारियल दिवस मनाया जाता है।



मुख्य बिन्दु:

- दिवस की शुरुआत : वर्ष 2009
- उद्देश्य : नारियल उद्योग और सदस्य देशों के मध्य समन्वय को बढ़ावा देना।

--:18:--

Daily Current Affairs

Date : 04 September, 2025



- **2025 का विषय :** "नारियल की शक्ति को उजागर करना, वैश्विक कार्रवाई को प्रेरित करना।"/"Unleashing the Power of Coconuts, Inspiring Global Action."

भारत में राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम :

- **आयोजन :** एडलक्स कन्वेंशन सेंटर, अंगमाली, केरल।
- **आयोजक :** नारियल विकास बोर्ड (CDB) (कृषि मंत्रालय के अंतर्गत)
 - नारियल खेती और उद्योग में उत्कृष्टता हेतु पुरस्कार।
 - नारियल आधारित नवाचारों की प्रदर्शनी।
 - किसानों और उद्यमियों के लिए कार्यशालाएँ व सेमिनार।

उत्कृष्टता पुरस्कार, 2025 :

पुरस्कार की श्रेणी	विजेता
सर्वश्रेष्ठ नारियल खोल-आधारित उत्पाद निर्यातक के लिए स्वर्ण पुरस्कार	यूनाइटेड कार्बन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, तिरुपुर, तमिलनाडु
सर्वश्रेष्ठ नारियल कर्नेल-आधारित उत्पाद निर्यातक के लिए स्वर्ण पुरस्कार	मैरिको लिमिटेड, मुंबई
सर्वश्रेष्ठ नारियल पानी-आधारित उत्पाद निर्यातक के लिए स्वर्ण पुरस्कार	शक्ति कोको प्रोडक्ट्स, पोलाची, तमिलनाडु
सर्वश्रेष्ठ महिला निर्यातक का पुरस्कार	काब्योर एक्टिवेटेड कार्बन प्राइवेट लिमिटेड, कोयंबटूर
सर्वश्रेष्ठ किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) निर्यातक का पुरस्कार	ग्लोबल कोकोनट फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, तिरुपुर

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- **एशियन पैसिफिक कोकोनट कम्प्युनिटी (APCC) :** एक अंतर-सरकारी संगठन।
- **स्थापना :** वर्ष 1969
- **मुख्यालय :** जकार्ता, इंडोनेशिया।

--:19:--

Daily Current Affairs

Date : 04 September, 2025



- **सदस्य देश :** 21 नारियल उत्पादक देश, जो विश्व के 90 प्रतिशत से अधिक नारियल उत्पादन और नारियल उत्पादों के निर्यात के लिए उत्तरदायी हैं।
 - **8 एशियाई देश :** भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, श्रीलंका, थाईलैंड, वियतनाम और तिमोर लेस्ते।
 - **9 प्रशांत देश:** माइक्रोनेशिया संघीय राज्य, फिजी, किरिबाती, मार्शल द्वीप, पापुआ न्यू गिनी, समोआ, सोलोमन द्वीप, टोंगा और वानुअतु।
 - **1 कैरेबियाई देश :** जमैका
 - **2 अफ्रीकी देश :** केन्या, कोटे डी आइवर
 - **दक्षिण अमेरिका का एक देश:** गुयाना
- **नाम परिवर्तन :** वर्ष 2017 में APCC का नाम परिवर्तित कर अंतर्राष्ट्रीय नारियल समुदाय (ICC) कर दिया गया।
- **विश्व में सर्वाधिक नारियल उत्पादक देश :** इंडोनेशिया।
- **भारत में नारियल उत्पादन :** विश्व का तीसरा सबसे बड़ा नारियल उत्पादक देश है।
- **भारत के शीर्ष नारियल उत्पादक राज्य :** केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्रप्रदेश।
- **नारियल :** उष्णकटिबंधीय जलवायु पौधा ।

पोषण :

लॉरिक अम्ल	जीवाणुरोधी गुणों वाला।
इलेक्ट्रोलाइट्स	नारियल पानी को प्राकृतिक ऊर्जा पेय बनाते हैं।
एंटीऑक्सीडेंट्स	रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।

- **उत्पाद :** नारियल तेल, जटा (coir), सक्रिय चारकोल आदि।
- **लाभ:** नारियल हृदय-संवहनी स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है तथा लाल रक्त कोशिका उत्पादन में सहायता और मधुमेह का प्रबंधन करता है।

--:20:--

राष्ट्रीय वन्य जीव दिवस, 2025



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन** : प्रतिवर्ष दो बार 4 सितम्बर और 22 फरवरी को मनाया जाता है।
- **उद्देश्य** : लुप्तप्राय प्रजातियों और वन्यजीवों के साथ सतत रूप से सह-अस्तित्व की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित करना।
- **पृष्ठभूमि** : वर्ष 2005 में कोलिन पेज द्वारा प्रसिद्ध वन्यजीव संरक्षणकर्ता स्टीव इरविन की स्मृति में स्थापित किया गया।
- **विषय** : राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस, 2025 के लिए चुना गया विषय ज्ञान, बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक के साथ भारत की जैव विविधता के संरक्षण पर प्रकाश डालता है।



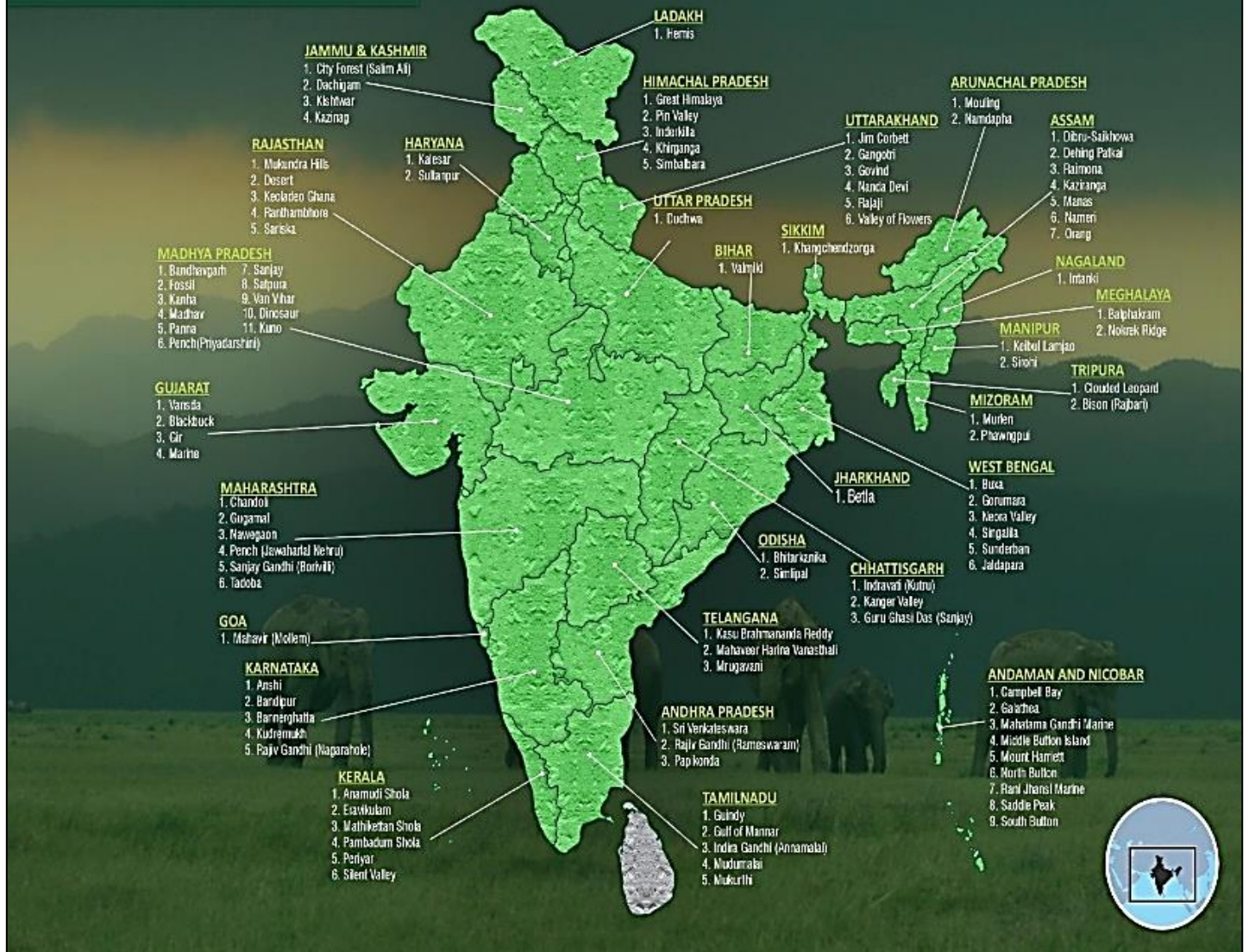
महत्वपूर्ण तथ्य :

- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने विलुप्ति के खतरे में पड़ी 26,500 से अधिक प्रजातियों को सूचीबद्ध किया है।
- सभी स्तनपायी प्रजातियों में से एक-चौथाई और उभयचर प्रजातियों में से 40% गंभीर विलुप्ति के खतरे का सामना कर रही हैं।
- वर्ष 2018 में, फिन व्हेल की स्थिति लुप्तप्राय से संवेदनशील हो गई, और माउंटेन गोरिल्ला की स्थिति गंभीर रूप से लुप्तप्राय से लुप्तप्राय हो गई।

भारत में लुप्तप्राय जन्तु :

- हालिया रिपोर्टों के अनुसार भारत में 10 प्रजातियाँ विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रही हैं। इनमें शामिल हैं:
- एशियाई हाथी, गंगा नदी डॉल्फिन, एक सींग वाला गैंडा, बंगाल टाइगर, हिम तेंदुआ, रेड पांडा, एशियाई शेर, भारतीय बाइसन, नीलगिरि तहर और शेर-पूंछ वाला मकाक आदि।

NATIONAL PARKS OF INDIA





फुजैरा ग्लोबल सुपरस्टार्स का खिताब : प्रणव वेंकटेश

चर्चा में क्यों?

- विश्व जूनियर चैंपियन प्रणव वेंकटेश ने स्पेन के ग्रैंडमास्टर एलन पिचोट को हराकर संयुक्त अरब अमीरात में फुजैरा ग्लोबल सुपरस्टार्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।



मुख्य बिन्दु:

- प्रणव ने संभावित नौ में से सात अंक हासिल किए।
- पुरस्कार राशि : 23,000 अमेरिकी डालर (लगभग 20.27 लाख रुपये)।
- दूसरा स्थान : अमेरिका के ब्रैंडन जैकबसन, मेक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्टिनेज अल्कांतारा और ईरान के अमीन तबाताबाई छह-छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।